AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

बीसीए में मिलेगी किसी भी वर्ष कोर्स छोड़ने, दाखिले की सुविधा

लविविः नई शिक्षा नीति लागू होने से कोर्स छोड़ने पर साल नहीं होगा बर्बाद, सर्टिफिकेट या डिप्लोमा मिलेगा

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के बीसीए कोर्स में अब नई शिक्षा नीति लागू हो जाएगी। सत्र 2023-24 से इसमें मल्टीपल एंट्री और एग्जिट की व्यवस्था होगी। विद्यार्थी किसी भी साल में दाखिले के साथ कोर्स छोड़ भी सकेगा। कोर्स छोड़ने की स्थिति में उसका साल नहीं बर्बाद होगा और सर्टिफिकेट या डिप्लोमा मिल सकेगा। वहीं, दोबारा पढ़ाई शुरू करने पर उसे सिर्फ बचे कोर्स की ही पढ़ाई करनी होगी।

ईजीनियरिंग संकाय के डीन प्रो. एके सिंह ने बताया कि लविवि नई शिक्षा नीति-2020 को अपनाने वाला भारत का पहला विश्वविद्यालय है। एनईपी व्यावहारिक शिक्षा की जरूरत पर जोर देती है। संकाय के शिक्षकों ने बीसीए पाठ्यक्रम ऐसे विकसित किया है, जिससे छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान का अनुभव मिले और वे वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हों। इससे छात्रों में को व्यावहारिक कौशल विकसित करने और रोजगार के लिए तैयार होने में सहायता मिलेगी।

दोबारा पढ़ाई शुरू करने पर सिर्फ बचा कोर्स ही पढ़ना होगा

इसी के तहत बीसीए में मल्टीपल एंट्री एंड एग्जिट की सुविधा दी जा रही है। इसके अनुसार छात्र बीसीए का प्रथम वर्ष पूरा होने पर कोर्स छोड़ना चाहे तो उसे कंप्यूटर एप्लीकेशन में सर्टिफिकेट मिलेगा। द्वितीय वर्ष पूर्ण होने पर कोर्स छोड़ने पर कंप्यूटर एप्लीकेशन में डिप्लोमा मिलेगा। बीसीए तृतीय वर्ष पूर्ण होने पर बीसीए की डिग्री दी जाएगी। तीसरे साल में 7.5 से अधिक सीजीपीए वाले छात्रों को बीसीए बाय रिसर्च डिग्री के लिए चौथे साल में दाखिला दिया जाएगा। चौथे साल की पढ़ाई पूरी करने पर बीसीए बाय रिसर्च डिग्री दी जाएगी।

नौकरी के साथ करें एमटेक एआई और साइबर सिक्योरिटी की पढ़ाई

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। नौकरी, रोजगार या अन्य कोर्स की पढ़ाई करने वालों को लखनऊ विश्वविद्यालय आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और साइबर सिक्योरिटी में एमटेक की डिग्री हासिल करने का मौका देगा। विवि में एमटेक आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और साइबर सिक्योरिटी की पढ़ाई भी होगी।

आने वाले सत्र से चलने वाले इन दोनों पाठ्यक्रमों में 20-20 सीटें होंगी। छह सेमेस्टर का यह पाठ्यक्रम पार्ट टाइम कोर्स के रूप में चलेगा। लविवि में अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के डीन प्रो. एके सिंह बताया कि एमटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और सायबर सिक्योरिटी की काफी मांग है।

छह सेमेस्टर का पाठ्यक्रम पार्ट टाइम कोर्स के रूप में चलेगा, 20-20 सीटें होंगी दोनों में

■ ***एमटेक की 60 सीटें बढ़ेंगी :*** प्रो. सिंह ने बताया कि एमटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के पाठ्यक्रम की मांग ज्यादा होने से इनकी सीटें संख्या बढ़ाने का फैसला लिया गया है। इसके तहत अब सत्र 2023-24 से 60 के जगह 120 सीटों पर दाखिला दिया जाएगा।

इसे देखते हुए तय किया गया कि इनके कोर्स चलाए जाएं। शाम छह से नौ बजे के बीच इनकी कक्षाएं चलेंगी। सप्ताह में तीन दिन कक्षाएं चलाने के साथ ही रविवार को भी पढ़ाई कराई जाएगी।

मूल्यांकन केंद्रों में गंदगी पर कुलपति नाराज

लखनऊ। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने रविवार को लविवि के मूल्यांकन केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान परीक्षकों की सुविधाओं और सफाई पर नाराजगी जताई। उन्होंने मूल्यांकन केंद्र प्रभारियों को इसका विशेष ध्यान रखने की हिदायत दी। (माई सिटी रिपोर्टर)

फौजियों के परिवारों को दिया फिटनेस मंत्र

लखनऊ। सूर्या कमांड आवा की ओर से रविवार को तीन दिवसीय सुनहरी धूप वेलनेस फेस्टिवल का आयोजन हुआ। इसमें आर्मी अधिकारियों, कर्मचारियों और उनके परिवारीजन को फिटनेस मंत्र दिया गया। लखनऊ मिलिट्री स्टेशन के स्कूली बच्चों ने भी प्रतिभा दिखाई। इस दौरा लाफ्टर योगा थेरेपी, प्रेरक परिचर्चाएं, स्टोरी टेलिंग, नाट्य प्रस्तुति व अन्य कार्यक्रम हुए। विशेषज्ञों ने कहा कि स्वास्थ्य के प्रति सभी को जागरूक रहना चाहिए। सूर्या कमांड आवा की रीजनल प्रेसिडेंट सुब्रमणि महालक्ष्मी ने अतिथियों का स्वागत किया। (संवाद)

भारत की सांस्कृतिक विविधता को समझता है डीपी मुखर्जी का विचार

लविवि के समाजशास्त्र विभाग का तीन दिवसीय सेमिनार रविवार को संपन्न हुआ। -संवाद

माई सिटी रिपोर्टर

लविवि के समाजशास्त्र विभाग में आयोजित सेमिनार का समापन

लखनऊ। भारत की सांस्कृतिक विविधता को समझने के लिए डीपी मुखर्जी के विचार आज भी प्रासंगिक हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. राजेश मिश्रा ने सेमिनार में ये बातें कहीं। इसके साथ तीन दिवसीय सेमिनार का रविवार को समापन हो गया।

समारोह में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर स्टडी ऑफ सोशल सिस्टम्स के प्रो. विवेक कुमार ने कहा, मनुष्य अपने स्वभाव की वजह से सामान्य संस्कृति और एकजुटता के बिना नहीं रह सकते। यदि ऐसी स्थिति है तो धर्म का समाजशास्त्र विकसित किया जा सकता है।

बीएचयू के प्रो. सत्येंद्र त्रिपाठी ने समाज में धार्मिक रूप से स्तरीकरण के बारे में चर्चा की। भारतीय समाजशास्त्र परिषद की अध्यक्ष आभा चौहान ने आईएसएस की ओर से प्रकाशित होने वाले जनरल के बारे में जानकारी दी।

भारतीय समाजशास्त्रीय परिषद के सचिव मनीष वर्मा ने छात्र-छात्राओं को आईएसएस की सदस्यता लेने के लिए प्रेरित किया। इससे पहले लखनऊ विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र के सौ वर्ष, पर सत्र का आयोजन हुआ। इसकी अध्यक्षता प्रो. नदीम हसनैन और सह अध्यक्षता प्रो. संजय सिंह ने की। सेमिनार के आयोजक प्रो. डीआर साहू ने देश-विदेश से आए प्रतिभागियों और प्रोफेसरों को धन्यवाद दिया।

NBT PAGE 6

तैयारी | एमटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजिनियरिंग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और साइबर सिक्योरिटी के पार्ट टाइम कोर्स

एलयू में नए सत्र से शुरू होंगे एमटेक में दो कोर्स

■ **एनबीटी सं, लखनऊ :** एलयू के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में एमटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजिनियरिंग में दो नए कोर्स नए सत्र से शुरू किए जाएंगे। दोनों कोर्स पार्ट टाइम होंगे। यह कोर्स तीन वर्ष का होगा और इसमें 6 सेमेस्टर होंगे।

दोनों कोर्स में होंगी 20-20 सीटें

एलयू में अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के डीन प्रो. एके सिंह ने बताया कि एमटेक में कंप्यूटर साइंस एंड इंजिनियरिंग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और साइबर सिक्योरिटी कोर्स शुरू किया जा रहा है। दोनों कोर्स में 20-20 सीटें होंगी। एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय के मुताबिक, विवि के सभी प्रोग्राम्स/पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए विदेशी छात्रों की भी संख्या बढ़ी है। ये दोनों कोर्स अगस्त में शुरू होने की उम्मीद है।

मांग को देखते हुए बढ़ाई गईं सीटें

डीन प्रो. एके सिंह ने बताया कि बीटेक में कंप्यूटर साइंस एंड इंजिनियरिंग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कोर्स की मांग काफी बढ़ी है। अभी इसमें 60 सीटें थी। 2023-24 में सीटें बढ़ा कर 120 कर दी गई हैं। इसके अलावा पार्ट टाइम एमटेक और रिसर्च खोलने के साथ रेगुलर प्लान किया जा रहा है। अनुमति मिलने पर रेगुलर एमटेक और रिसर्च भी खोला जाएगा।

एलयू वीसी ने मूल्यांकन कक्षों का किया दौरा

■ **एनबीटी सं, लखनऊ :** एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने रविवार को मूल्यांकन कक्षों का निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान परीक्षकों की सुविधाओं का ध्यान रखने के निर्देश दिए। इसके अलावा मूल्यांकन केंद्रों की साफ-सफाई रखने के लिए भी निर्देश दिए। वीसी ने परीक्षकों से कहा कि कॉपियों का मूल्यांकन नियमानुसार और समय से करें ताकि समय से रिजल्ट जारी किए जा सकें।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 200 शोध पत्रों पर हुई चर्चा

डॉ. विनोद चंद्रा ने की चर्चा।

■ **एनबीटी सं, लखनऊ :** एलयू में समाजशास्त्र विभाग की ओर से 'क्षेत्रों का समाजशास्त्र एवं क्षेत्रों में समाजशास्त्र' विषय पर चल रहे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में रविवार को 29 तकनीकी सत्रों में करीब 200 शोधकर्ताओं ने विभिन्न विषयों पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए और उन पर चर्चा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. नदीम हसनैन और सह अध्यक्षता प्रो. संजय सिंह ने की। इस मौके पर दिल्ली विवि के प्रो. सतीश देशपांडेय ने विज्ञान और राष्ट्रवाद की भाषा विषय पर और प्रो. सुकांत कुमार चौधरी ने धीरेंद्र नाथ मजूमदार के समाजशास्त्र में योगदान की चर्चा की। प्रो. एके पांडेय ने प्रो. एके स्वरन के संपूर्ण बौद्धिक परिप्रेक्ष्य पर प्रकाश डाला तो प्रो. राजेश मिश्रा ने भारतीय परंपरा पर बात की। इस बीच गेस्ट ऑफ ऑनर का एड्रेस बीएचयू के पूर्व प्रफेसर सत्येंद्र त्रिपाठी ने दिया। सम्मेलन में सोशियॉलजी के हेड प्रो. डीआर साहू, प्रो. एसके चौधरी और प्रो. विनोद चंद्रा भी शामिल रहे।

बीसीए में नई शिक्षा नीति लागू

एलयू के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में संचालित बीसीए कोर्स अब सत्र 2023-24 से नई शिक्षा नीति के तहत संचालित होगा। डीन के मुताबिक, एनईपी व्यावहारिक शिक्षा की आवश्यकता पर जोर देती है, ऐसे में बीसीए पाठ्यक्रम में एनईपी के तहत स्टूडेंट्स को मल्टीपल एंट्री एंड एग्जिट की सुविधा भी मिलेगी। बीसीए प्रथम वर्ष पूर्ण होने पर कोर्स छोड़ने वाले छात्र को कंप्यूटर एप्लीकेशन में सर्टिफिकेट मिलेगा। द्वितीय वर्ष पूर्ण होने पर कोर्स छोड़ने पर कंप्यूटर एप्लीकेशन में डिप्लोमा मिलेगा। तृतीय वर्ष पूर्ण होने पर बीसीए डिग्री से सम्मानित किया जाएगा। बीसीए तृतीय वर्ष में 7.5 से अधिक सीजीपीए वाले स्टूडेंट्स को बीसीए और रिसर्च डिग्री, चतुर्थ वर्ष के लिए ऑफर की जाएगी।

HINDUSTAN PAGE 6

एलयूः कोर्स छूटा तो कम्प्यूटर एप्लीकेशन सर्टिफिकेट देंगे

■ बीसीए पाठ्यक्रम में भी राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू

■ मल्टीपल एंट्री और एग्जिट सुविधा मिलेगी

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी और तकनीकी संकाय के बीसीए पाठ्यक्रम में भी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 लागू कर दी गई है। बीसीए में नए सत्र 2023-24 से एनईपी के तहत डिग्री मिलेगी। पहले वर्ष में कोर्स छोड़ने वालों को कंप्यूटर एप्लीकेशन का सर्टिफिकेट मिलेगा।

अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के डीन प्रो. एके सिंह ने कहा कि बीसीए में एनईपी लागू होने से मल्टीपल एंट्री एण्ड एग्जिट सुविधा मिलेगी। द्वितीय वर्ष पूरा होने पर छात्र कोर्स छोड़ता है तो कम्प्यूटर एप्लीकेशन में डिप्लोमा मिलेगा। तीसरा वर्ष पूरा होने पर कोर्स छोड़ा तो बीसीए डिग्री मिलेगी और बीसीए तीसरे वर्ष में 7.5 से अधिक सीजीपीए वाले को बीसीए बाय रिसर्च डिग्री चतुर्थ वर्ष के लिए ऑफर होगी।

मनोविज्ञान विभाग में कार्यशाला संपन्न

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में वंडर्सः होल्डिंग हैंड्स बाय एलुमनी पर चल रही सात दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का रविवार को समापन हुआ। इसमें चौदह वक्ताओं ने विभिन्न विषयों पर चर्चा की। कार्यशाला के अन्तिम दिन प्रथम सत्र में डॉ. रिद्धिमा शुक्ला ने कारक विश्लेषण पर कहाकि कारक विश्लेषण एक सांख्यिकीय पद्धति है। दूसरे सत्र में डॉ. जया भारती ने कोहोर्ट एंड टाइम सीरीज एनालिसिस पर अपनी बात रखी।

'क्षेत्रों का समाजशास्त्र व क्षेत्रों में समाजशास्त्र' पर किया गया मंथन

लखनऊ यूनिवर्सिटी में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

LUCKNOW (30 April): इतिहास अपने को दोहराता है. लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के संस्थापक राधा कमल मुखर्जी ने क्षेत्रीय अध्ययन पर जोर दिया था. शुक्रवार को विश्वविद्यालय परिसर में 1200 समाजशास्त्रियों ने एक स्वर से इस दिशा में बढ़ने का संकल्प लिया. इससे भाषा और संस्कृति को उभारने में मदद मिलेगी. राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने भी इसे सही मानते हुए विषय लेने की सीमा को खत्म कर दिया है. अब विद्यार्थी ऐसे विषय पढ़ सकते हैं, जो उनके मानसिक स्तर को ऊंचा उठाने में सहायक हों.

तीन दिन तक चला मंथन

विश्वविद्यालय में भारतीय समाजशास्त्र परिषद का अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'क्षेत्रों का समाजशास्त्र व क्षेत्रों में समाजशास्त्र' विषय पर तीन दिन तक मंथन चला. एक दिन वर्चुअल सत्र में दुनियाभर के लोग जुड़े, उद्घाटन व समापन सत्र के अलावा सात संवाद सत्र, 30 तकनीकी व 30 कमरों में दो दिन तक 600 से अधिक प्रपत्र पढ़े गए, इनमें कहा गया कि गांव व समाज पर विशद अध्ययन हुए और मानव शास्त्रियों ने प्रशासन की खूब मदद की है लेकिन, क्षेत्र अभी दूर हैं. इन पर जब अध्ययन होगा तो समाज को राह दिखाने के कई सूत्र सामने होंगे.

इन सत्रों में बही विचार गंगा

सम्मेलन के समापन दिवस की शुरुआत तकनीकी सत्रों से हुई. लखनऊ विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र के 100 वर्ष की अध्यक्षता प्रोफेसर नदीम हसनैन ने व सह अध्यक्षता प्रोफेसर संजय सिंह ने की. प्रोफेसर राजेश मिश्रा पूर्व प्रोफेसर लखनऊ विश्वविद्यालय, प्रोफेसर एके पांडेय पूर्व प्रोफेसर बीएचयू, प्रोफेसर एसके चौधरी लखनऊ विश्वविद्यालय व प्रोफेसर विनोद चंद्रा रहे. नागरिकता और नृजातीयता विषय पर आयोजित सत्र की आयोजक डाक्टर प्रतिभा राज रही. अध्यक्षता नीलिका मेहरोत्रा ने की. प्रोफेसर देवल के. सिंघा राय पूर्व प्रोफेसर इग्नू नई दिल्ली, प्रोफेसर विश्वजीत घोष यूनिवर्सिटी आफ वर्धमान, प्रोफेसर आशीष सक्सेना सेंट्रल यूनिवर्सिटी आफ इलाहाबाद थे. सम्मेलन के आयोजक विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र प्रोफेसर डीआर साहू ने धन्यवाद ज्ञापन किया.

भाषाई विषमता का महत्व

मालवीय हाल में समापन सत्र के मुख्य अतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर सतीश देशपांडेय ने भाषा पर सवाल किया कि एक प्रकार का 'विज्ञान' होने के कारण समाज विज्ञान भी भाषा निरपेक्ष है? समाज वैज्ञानिक विमर्श में विशिष्ट भाषाओं की क्या भूमिका रही है? भारतीय समाज विज्ञान के संदर्भ में भाषाई विषमताओं का क्या महत्व है? क्या स्वदेशी समाज विज्ञान का स्वभाषी होना अनिवार्य है?

i-NEXT PAGE 3

जब 60 फीसद सीटें होंगी फुल तभी चलेंगे सेल्फ फाइनेंस कोर्स

LUCKNOW (30 April): लखनऊ विश्वविद्यालय में स्नातक और परास्नातक में प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी है. स्नातक में 31 मई और परास्नातक में 10 जून तक आवेदन फार्म भरे जा सकेंगे. विश्वविद्यालय में परास्नातक स्तर के सेल्फ फाइनेंस कोर्स तभी संचालित होंगे, जब उनमें 60 फीसद सीटों पर प्रवेश होंगे. एलयू ने इस संबंध में गाइडलाइन में इसकी जानकारी दी है.

i SPECIAL

आठ कोर्स संचालित

लखनऊ यूनिवर्सिटी में रेगुलर के अलावा सेल्फ फाइनेंस मोड पर भी परास्नातक में करीब आठ कोर्स संचालित हैं. सभी कोर्सों में आवेदन प्रक्रिया चल रही है. लेकिन सेल्फ फाइनेंस कोर्सों के लिए 60 फीसद सीटों पर दाखिले की अनिवार्यता रखी गई है.

90 मिनट की प्रवेश परीक्षा

नए सत्र में एलएलबी तीन वर्षीय पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा होगी. इसमें 100 आब्जेक्टिव टाइप के प्रश्न पूछे जाएंगे, जिन्हें हल करने के लिए 90 मिनट का समय मिलेगा. प्रवेश परीक्षा में इंडियन पालिटिकल एंड फंग्शंस, जनरल अवेयरनेस, लाजिकल एप्टीट्यूड, मेंटल एबिलिटी से जुड़े प्रश्न पूछे जाएंगे. प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का होगा. कोई निगेटिव मार्किंग नहीं होगी.

एलएलएम प्रवेश परीक्षा

एलएलएम प्रवेश परीक्षा में जुरिस्प्रूडेंस, ला आफ कांट्रेक्ट, ला आफ टोर्ट्स, फैमिली ला, ला आफ क्राइम, कांस्टीट्यूशनल ला आफ इंडिया और इंटरनेशनल ला पर आधारित प्रश्न पूछे जाएंगे. प्रवेश परीक्षा का समय 90 मिनट होगा.

नए सत्र से पार्ट टाइम एमटेक की पढ़ाई

LUCKNOW (30 April): एलयू के नए शैक्षिक सत्र से अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में पार्ट टाइम मास्टर इन टेक्नोलाजी में दाखिले लिए जा सकेंगे. इसकी शुरुआत दो विधाओं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और साइबर सिक्योरिटी में होगी. शनिवार को हुई बोर्ड आफ स्टडीज की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है. अब मई में होने वाली एकेडमिक काउंसिल में भी इसे पास कराया जाएगा.

20-20 सीटें होंगी

अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के अधिष्ठाता प्रो. एके सिंह ने बताया कि सत्र 2023-24 से शुरू होने वाले एमटेक कोर्स के प्रत्येक कार्यक्रम में 20-20 सीटें होंगी. यह छह सेमेस्टर का पार्ट टाइम कोर्स होगा. कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग असिस्टेंट प्रोफेसर डा. हिमांशु पांडेय के मुताबिक बीटेक कंप्यूटर साइंस और आइटी की योग्यता एवं नौकरी पेशा वाले अभ्यर्थी आवेदन कर सकेंगे.

सप्ताह में तीन दिन शाम को चलेंगी कक्षाएं

इस कोर्स में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की कक्षाएं सप्ताह में तीन दिन शाम को चलेंगी. इसमें रविवार का दिन भी शामिल रहेगा. कक्षाओं का समय शाम छह बजे से रात 9.30 बजे तक रहेगा.

चौथे साल में मिलेगी बीसीए बाय रिसर्च डिग्री

LUCKNOW (30 April): लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीटेक के बाद बीसीए में भी राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू कर दी है. इसके तहत छात्र-छात्राओं को मल्टीपल एंट्री एंड एग्जिट की सुविधा मिलेगी. इसमें यदि विद्यार्थी बीसीए का प्रथम वर्ष पूर्ण होने पर कोर्स छोड़ना चाहे तो उसे कंप्यूटर एप्लीकेशन में सर्टिफिकेट, दूसरा वर्ष पूरा करने पर कोर्स छोड़ते समय डिप्लोमा और तीसरे वर्ष में डिग्री दी जाएगी. खास बात यह है कि बीसीए तीसरे वर्ष में 7.5 से अधिक सिम्लेटिव ग्रेड प्वाइंट एवरेज (सीजीपीए) वाले छात्र-छात्राओं को बीसीए बाय रिसर्च डिग्री चतुर्थ वर्ष के लिए आफर की जाएगी.

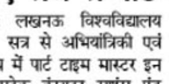

मिलेगा व्यावहारिक ज्ञान

अभियांत्रिकी संकाय के डीन प्रोफेसर एके सिंह ने बताया कि संकाय के शिक्षकों ने बीसीए पाठ्यक्रम ऐसे विकसित किया है, जिससे छात्र-छात्राओं को व्यावहारिक ज्ञान का अनुभव मिले. इससे छात्रों को व्यावहारिक कौशल विकसित करने और रोजगार के लिए तैयार होने में सहायता मिलेगी.

JAGRAN CITY PAGE III

चौथे साल में मिलेगी बीसीए बाय रिसर्च की डिग्री

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीटेक के बाद अब बैचलर आफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए) में भी राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू कर दी है। इसके तहत छात्र-छात्राओं को मल्टीपल एंट्री एंड एग्जिट की सुविधा मिलेगी। इसमें यदि विद्यार्थी बीसीए का प्रथम वर्ष पूर्ण होने पर कोर्स छोड़ना चाहे तो उसे कंप्यूटर एप्लीकेशन में सर्टिफिकेट, दूसरा वर्ष पूरा करने पर कोर्स छोड़ते समय डिप्लोमा और तीसरे वर्ष में डिग्री दी जाएगी। खास बात यह है कि बीसीए तीसरे वर्ष में 7.5 से अधिक सिम्लेटिव ग्रेड प्वाइंट एवरेज (सीजीपीए) वाले छात्र-छात्राओं को बीसीए बाय रिसर्च डिग्री चतुर्थ वर्ष के लिए आफर की जाएगी। यह व्यवस्था नए सत्र से कैंपस के सम्बद्ध कालेजों में भी लागू होगी।

● लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीसीए में लागू की राष्ट्रीय शिक्षा नीति

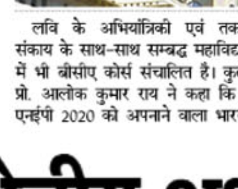

लवि के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के साथ-साथ सम्बद्ध महाविद्यालयों में भी बीसीए कोर्स संचालित है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि लवि एनईपी 2020 को अपनाने वाला भारत का पहला विश्वविद्यालय है। एनईपी के तहत भारत में शिक्षा का ध्यान प्रैक्टिकल बेस्ड एजुकेशन पर केंद्रित किया जा सकेगा, जो छात्रों को रोजगार के लिए तैयार कौशल सिखाने की क्षमता में निहित होगा।

मिलेगा व्यावहारिक ज्ञान

अभियांत्रिकी संकाय के डीन प्रोफेसर एके सिंह ने बताया कि संकाय के शिक्षकों ने बीसीए पाठ्यक्रम ऐसे विकसित किया है, जिससे छात्र-छात्राओं को व्यावहारिक ज्ञान का अनुभव मिले। वह वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हों। इससे छात्रों को व्यावहारिक कौशल विकसित करने और रोजगार के लिए तैयार होने में सहायता मिलेगी।

लवि : नए सत्र से पार्ट टाइम एमटेक की पढ़ाई

जासं, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय के नए शैक्षिक सत्र से अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में पार्ट टाइम मास्टर इन टेक्नोलाजी (एमटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग) में दाखिले लिए जा सकेंगे। इसकी शुरुआत दो विधाओं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और साइबर सिक्योरिटी में होगी। शनिवार को हुई बोर्ड आफ स्टडीज की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। अब मई में होने वाली एकेडमिक काउंसिल में भी इसे पास कराया जाएगा।

अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के अधिष्ठाता प्रो. एके सिंह ने बताया कि सत्र 2023-24 से शुरू होने वाले एमटेक कोर्स के प्रत्येक कार्यक्रम में 20-20 सीटें होंगी। यह छह सेमेस्टर का पार्ट टाइम कोर्स होगा। कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग असिस्टेंट प्रोफेसर डा. हिमांशु पांडेय के मुताबिक बीटेक कंप्यूटर साइंस और आइटी की योग्यता एवं नौकरी पेशा वाले अभ्यर्थी आवेदन कर सकेंगे। दाखिले प्रवेश परीक्षा से लिए जाएंगे।

सप्ताह में तीन दिन शाम को चलेंगी कक्षाएं : उन्होंने बताया कि इस कोर्स में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की कक्षाएं सप्ताह में तीन दिन शाम को चलेंगी। इसमें रविवार का दिन भी शामिल रहेगा। कक्षाओं का समय शाम छह बजे से रात 9.30 बजे तक रहेगा।

बीटेक में बढ़ी सीटें : बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए सीटों की संख्या बढ़ा दी गई है। नए सत्र से 120 सीटों पर प्रवेश होंगे। अभी तक यह संख्या सिर्फ 60 थी। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि इस कोर्स में मांग अधिक होने की वजह से सीटें बढ़ाई गई हैं।

लवि : 60 प्रतिशत सीटें भरने पर चलेंगे पीजी सेल्फ फाइनेंस कोर्स

जासं, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय में स्नातक और परास्नातक में प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी है। स्नातक में 31 मई और परास्नातक में 10 जून तक आवेदन फार्म भरे जा सकेंगे। विश्वविद्यालय में परास्नातक स्तर के सेल्फ फाइनेंस कोर्स तभी संचालित होंगे, जब उनमें 60 फीसद सीटों पर प्रवेश होंगे। लवि ने इस संबंध में गाइडलाइन में इसकी जानकारी दी है।

लवि में रेगुलर के अलावा सेल्फ फाइनेंस मोड पर भी परास्नातक में करीब आठ कोर्स संचालित हैं। सभी कोर्सों में आवेदन प्रक्रिया चल रही है। लेकिन सेल्फ फाइनेंस कोर्सों के लिए 60 फीसद सीटों पर दाखिले की अनिवार्यता रखी गई है।

90 मिनट की होगी एलएलबी प्रवेश परीक्षा : नए सत्र में एलएलबी तीन वर्षीय पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा होगी। इसमें 100 आब्जेक्टिव टाइप के प्रश्न पूछे जाएंगे, जिन्हें हल करने के लिए 90 मिनट का समय मिलेगा। प्रवेश परीक्षा में इंडियन पालिटिकल एंड फंग्शंस, जनरल अवेयरनेस, लाजिकल एप्टीट्यूड, मेंटल एबिलिटी से जुड़े प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का होगा। कोई निगेटिव मार्किंग नहीं होगी।

एलएलएम प्रवेश परीक्षा : एलएलएम प्रवेश परीक्षा में जुरिस्प्रूडेंस, ला आफ कांट्रेक्ट, ला आफ टोर्ट्स, फैमिली ला, ला आफ क्राइम, कांस्टीट्यूशनल ला आफ इंडिया और इंटरनेशनल ला पर आधारित प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रवेश परीक्षा का समय 90 मिनट होगा।

क्षेत्रीय अध्ययन का अमृत दिखाएगा राह

क्षेत्र को सलीके से समझकर ही खानपान, बोली-भाषा और पहनावे को आगे बढ़ा सकते

जासं, लखनऊ : इतिहास अपने को दोहराता है। लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के संस्थापक राधा कमल मुखर्जी ने क्षेत्रीय अध्ययन पर जोर दिया था। शुक्रवार को विश्वविद्यालय परिसर में 1200 समाजशास्त्रियों ने एक स्वर से इस दिशा में बढ़ने का संकल्प लिया। इससे भाषा और संस्कृति को उभारने में मदद मिलेगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने भी इसे सही मानते हुए विषय लेने की सीमा को खत्म कर दिया है। अब विद्यार्थी ऐसे विषय पढ़ सकते हैं, जो उनके मानसिक स्तर को ऊंचा उठाने में सहायक हों।

विश्वविद्यालय में भारतीय समाजशास्त्र परिषद का अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'क्षेत्रों का समाजशास्त्र व क्षेत्रों में समाजशास्त्र' विषय पर तीन दिन मंथन चला। उद्घाटन व समापन सत्र के अलावा सात संवाद सत्र, 30 तकनीकी व 30 कमरों में दो दिन तक 600 से अधिक प्रपत्र पढ़े गए। इनमें कहा गया कि गांव व समाज पर विशद अध्ययन हुए और मानव शास्त्रियों ने प्रशासन की खूब मदद की है लेकिन, क्षेत्र अभी दूर हैं। इन पर जब अध्ययन होगा तो समाज को राह दिखाने के कई सूत्र सामने होंगे।

मालवीय हाल में समापन सत्र के मुख्य अतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. सतीश देशपांडेय ने भाषा पर सवाल किया कि एक प्रकार का 'विज्ञान' होने के कारण समाज विज्ञान भी भाषा निरपेक्ष है? समाज वैज्ञानिक विमर्श में विशिष्ट भाषाओं की क्या भूमिका रही है? भारतीय समाज विज्ञान के संदर्भ में भाषाई विषमताओं का क्या महत्व है? क्या स्वदेशी समाज विज्ञान का स्वभाषी होना अनिवार्य है? उन्होंने कहा कि विज्ञान के संदर्भ में भाषा और राष्ट्रवाद की भाषा दोनों को अलग रखना होगा, क्योंकि विज्ञान तर्कशील है, जबकि राष्ट्रवाद में भाषा भावनात्मक है।

नागरिकता और नृजातीयता विषय पर आयोजित सत्र की आयोजक डा. प्रतिभा राज रहीं। अध्यक्षता नीलिका मेहरोत्रा ने की। देवल के. सिंघा राय पूर्व प्रोफेसर इग्नू नई दिल्ली, प्रो. विश्वजीत घोष यूनिवर्सिटी आफ वर्धमान, प्रो. आशीष सक्सेना सेंट्रल यूनिवर्सिटी आफ इलाहाबाद थे। भारतीय समाजशास्त्र परिषद की अध्यक्षा आभा चौहान ने आइएसएस के द्वारा प्रकाशित होने वाले जनरल के बारे में जानकारी दी, सचिव मनीष वर्मा ने छात्र और छात्राओं को इसकी सदस्यता लेने के लिए प्रेरित किया। सम्मेलन के आयोजक विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र प्रोफेसर डीआर साहू ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

लखनऊ विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

लवि के समाजशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते जेएनयू के प्रो. विवेक कुमार व डीयू के प्रो. सतीश देशपांडेय ● जागरण

100 साल पहले लवि ने दिया ध्यान, उसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने अपनाया

इन सत्रों में बही विचार गंगा

समापन दिवस की शुरुआत तकनीकी सत्रों से हुई। लखनऊ विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र के 100 वर्ष की अध्यक्षता प्रोफेसर नदीम हसनैन ने व सह अध्यक्षता प्रोफेसर संजय सिंह ने की। प्रोफेसर राजेश मिश्रा पूर्व प्रोफेसर लखनऊ विश्वविद्यालय, प्रोफेसर एके पांडेय पूर्व प्रोफेसर बीएचयू, प्रो. एसके चौधरी लखनऊ विश्वविद्यालय व प्रोफेसर विनोद चंद्रा रहे।

दुनिया को देखकर भारत ने नहीं छोड़ी अपनी विशिष्ट पहचान : प्रो. विवेक कुमार

जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय दिल्ली के समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. विवेक कुमार ने क्षेत्र के सैद्धांतिक व दर्शन पक्ष पर कहा कि भारत में क्षेत्र (अंचल) और दुनिया में भूमंडलीकरण सार्वभौमिक सिद्धांत है। दुनिया के खानपान व पहनावा को अपनाया जरूर लेकिन, उनका स्वरूप बदलकर। महिला व पुरुष दोनों जींस पहन रहे हैं लेकिन, विवाह समारोह में लहंगा व शेरवानी को छोड़ा नहीं। देश ने परंपरागत परिधानों से कभी मुंह नहीं मोड़ा। दुनिया में बर्गर बीफ के साथ तो भारत में आलू की टिक्की के साथ परोसा जाता है। ऐसे ही पाप म्यूजिक को अपनाया लेकिन, शब्द पंजाबी या हिंदी के ही हैं। एक तरह से भारत ने दुनिया की चीजों का हाइब्रिडाइजेशन किया है। उन्होंने कहा कि भूमंडलीकरण में विश्व को ग्लोबल विलेज कहा गया लेकिन, देश ने अपनी पहचान बनाए रखने के साथ मूलतत्वों को विलुप्त या खंडित नहीं होने दिया। अब जरूरत है, समाजशास्त्र के सार्वभौमिक मूल्यों की पड़ताल हो। समाजशास्त्रीय अध्ययन में सामाजिक सरोकारों का पता चलना जरूरी है। सवाल किया, देश विद्या ददाति विनयम् को मानता है तो समाज विज्ञानी मिचिल फूको नालेज इज पावर पर जोर देते हैं। वसुधैव कुटुंबकम व सर्वे भवन्तु सुखिनः के साथ भारत डटकर खड़ा है। बाकी देश क्या ऐसा कर रहे है, इसकी खोज हो। लवि के छात्र रहे प्रो. विवेक ने कहा कि समाजशास्त्र विभाग के 100 वर्ष की यात्रा गौरवपूर्ण है।

AMRIT VICHAR PAGE 4

साइबर सिक्योरिटी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का अध्ययन करेंगे विद्यार्थी

लखनऊ विश्वविद्यालय में एमटेक के दो नए कोर्स, 20 सीटों से होगी शुरुआत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में नए सत्र से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और साइबर सिक्योरिटी को एमटेक के पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। डीन अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय प्रोफेसर एके सिंह ने बताया कि सत्र 2023-24 से कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और साइबर सुरक्षा में एमटेक पाठ्यक्रमों की शुरुआत की जाएगी। प्रत्येक कार्यक्रम में 20 सीट होंगी। यह छह सेमेस्टर का पार्ट टाइम कार्यक्रम होगा। वहीं, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के पाठ्यक्रम में 60 से 120 सीटों पर प्रवेश लिया जाएगा।

बीसीए कोर्स में नई शिक्षा नीति लागू : लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में संचालित बीसीए कोर्स अब सत्र 2023-24 से नई शिक्षा नीति के तहत संचालित होगा। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि नई शिक्षा नीति के तहत संकाय के शिक्षकों द्वारा बीसीए पाठ्यक्रम ऐसे विकसित किए गए हैं, जिससे छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान का अनुभव मिले और वह वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हो।

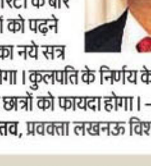

विश्वविद्यालय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और साइबर सिक्योरिटी के बारे में छात्रों को पढ़ने का मौका नये सत्र से मिलेगा। कुलपति के निर्णय के इस निर्णय के बाद छात्रों को फायदा होगा। -डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव, प्रवक्ता लखनऊ विश्वविद्यालय

लखनऊ विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति को लागू करने वाला देश का पहला संस्थान है। इसी क्रम में हम लगातार एनईपी पर फोकस कर रहे हैं। विजन बड़ा है, आगे भी ऐसे कई तरह के बदलाव होने वाले हैं। - प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय

नई शिक्षा नीति से बीसीए छात्रों को ये होंगे फायदे

उन्होंने बताया कि छात्र बीसीए के प्रथम वर्ष पूर्ण होने पर कोर्स छोड़ना चाहे तो उसे प्रथम वर्ष में कंप्यूटर एप्लीकेशन में सर्टिफिकेट मिलेगा। द्वितीय वर्ष पूर्ण होने पर कंप्यूटर एप्लीकेशन में डिप्लोमा, तृतीय वर्ष पूर्ण होने परबीसीए डिग्री प्रदान की जाएगी। तृतीय वर्ष में 7.5 से अधिक सीजीपीए वाले छात्रों को बीसीए बाय रिसर्च डिग्री, चतुर्थ वर्ष के लिए प्रस्तावित की जाएगी।

समाजशास्त्र में क्षेत्रीय अध्ययनों की आवश्यकता : प्रो. बीबी मोहंती

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में समाज कार्य विभाग और समाजशास्त्र विभाग के दो दिवसीय तकनीकी सत्र का रविवार को समापन हो गया। दूसरे दिन सत्र का आगाज करते हुए प्रो. बीबी मोहंती ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद समाजशास्त्र पश्चिमीकृत हो गया। विभिन्न क्षेत्रों और उनके इतिहास की विविध सामाजिक सांस्कृतिक विशिष्टताओं की अनदेखी की गई। भारतीय समाजशास्त्र में क्षेत्रीय समाजशास्त्र के एजेंडा को आगे बढ़ाया गया। अब क्षेत्रीय अध्ययनों की आवश्यकता है। इस दौरान 29 तकनीकी सत्रों में 250 शोधकर्ताओं ने विभिन्न विषयों पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

तकनीकी सत्रों में प्रो. अनंत कुमार गिरी ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा की भारत में क्षेत्रीय लेखक अपनी क्षेत्रीय भाषा में लिखना पसंद नहीं करते हैं। साथ ही साथ उन्होंने भारत की मातृ भाषाओं में किए गए दार्शनिक लेखन और उनके व्यापक सैद्धांतिक अन्वेषण और दार्शनिक प्रभाव पर प्रकाश डाला। दूसरे तकनीकी सत्र में प्रो. एंटोनी पलक्कल ने केरल में समाजशास्त्र के अनुशासन के विकास पर प्रकाश डाला। वहीं प्रो. आर इंदिरा ने क्षेत्रीय भाषा कन्नड़ पर आत्म माध्यम के रूप में जोर दिया। तीसरे सत्र में प्रो. एके कौल ने कश्मीरी क्षेत्रीय मुद्दे को उठाते हुए कहा, कश्मीर में सत्ता और प्रभुत्व के माध्यम से हमेशा गैर- देशी परंपरा को लागू किया गया था और स्थानीय परंपरा को हीन घोषित किया गया।

सात दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का समापन

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान विभाग की डॉ. अर्चना शुक्ला के निर्देशन में यूजीसी नेट के उम्मीदवारों के लिए वंडर्स : होल्डिंग हैंड्स बाय एलुमनी पर सात दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का समापन हो गया। कार्यशाला के सातवें दिन क्राइस्ट डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी दिल्ली की मनोविज्ञान विभाग की एसोसिएट प्रो. डॉ. रिद्धिमा शुक्ला, एएनडी कॉलेज, कानपुर की सहायक प्राध्यापक डॉ. जया भारती ने चर्चा की।

PIONEER PAGE 3

इंजीनियरिंग के बीसीए कोर्स में नई शिक्षा नीति लागू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में संचालित बीसीए कोर्स अब सत्र 2023.24 से नई शिक्षा नीति के तहत संचालित होगा। विवि के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय के मुताबिक लखनऊ विश्वविद्यालय एनईपी 2020 को अपनाने वाला भारत का पहला विश्वविद्यालय है। भारतीय शिक्षा प्रणाली ने सैद्धांतिक और शैक्षणिक शिक्षा पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित किया, जिसका वास्तविक दुनिया के कार्यस्थलों में सीमित उपयोग था। नई शिक्षा नीति के तहत भारत में शिक्षा का ध्यान प्रैक्टिकल बेस्ड एजुकेशन पर केंद्रित किया जा सकेगा, जो छात्रों को रोजगार के लिए तैयार कौशल सिखाने की क्षमता में निहित होगा।

अभियांत्रिकी संकाय के डीन प्रोफेसर एके सिंह ने बताया कि एनईपी व्यावहारिक शिक्षा की आवश्यकता पर जोर देती है। जिसके तहत संकाय के शिक्षको द्वारा बीसीए पाठ्यक्रम ऐसे विकसित किए गए हैं, जिससे छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान का अनुभव मिले और वह वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हो। इससे छात्रों को व्यावहारिक कौशल विकसित करने और रोजगार के लिए तैयार होने में सहायता मिलेगी। बीसीए पाठ्यक्रम में नई शिक्षा नीति लागू होने पर अब छात्रों को मल्टीपल एंट्री एंड एग्जिट की सुविधा मिलेगी। जिसके तहत अगर छात्र बीसीए के प्रथम वर्ष पूर्ण होने पर कोर्स छोड़ना चाहे तो उसे प्रथम वर्ष में कंप्यूटर एप्लीकेशन में सर्टिफिकेट मिलेगा। बीसीए द्वितीय वर्ष पूर्ण होने पर अगर छात्र कोर्स छोड़ता है तो उसे कंप्यूटर एप्लीकेशन में डिप्लोमा मिलेगा। बीसीए तृतीय वर्ष पूर्ण होने पर छात्र को बीसीए डिग्री से सम्मानित किया जाएगा। बीसीए तृतीय वर्ष में 7.5 से अधिक सीजीपीए वाले छात्रों को बीसीए विथ रिसर्च डिग्री, चतुर्थ वर्ष के लिए ऑफर की जाएगी।

एमटेक में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और साइबर सिक्योरिटी में होगी शुरुआत

नये सत्र से लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं इंजीनियरिंग संकाय में एमटेक के तहत कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग साइबर सुरक्षा कार्यक्रम की शुरुआत होगी। प्रत्येक कार्यक्रम में 20 सीट होंगी।

यह एक छह सेमेस्टर पार्ट टाइम कार्यक्रम होगा। वहीं कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए मांग अधिक होने से दाखिला संख्या को शैक्षणिक सत्र 2023-24 से 60 सीट से 120 सीट किया जायेगा।

TOI PAGE 3

LU to offer MTech in AI, cyber security as part-time courses

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Lucknow University will be offering part-time master's in technology (MTech) in artificial intelligence and cyber security courses from the new academic session 2023-24 for working professionals who don't have the time to pursue a full-time course.

"There is a great demand for artificial intelligence and cyber security at the postgraduate level hence we have decided to offer MTech in the two subjects. Its classes will be conducted between 6pm and 9pm. Apart from running classes three days a week, classes will also be conducted on Sundays," said engineering faculty dean, Prof AK Singh.

Also, LU has implemented New Education Policy in its BCA courses offered by the engineering faculty. After NEP implementation students will have the option of multiple entry and exit. If a student wants to leave the course after completing the first year of the BCA course, then he or she will be awarded a certificate. On leaving the course after completion of the second year he/she will get a diploma and on successful completion of three years of the course a student will be awarded a BCA degree.

Students with CGPA above 7.5 in the third year will be admitted to the fourth year for BCA (with research) degree and on its successful completion, a BCA with a research degree will be awarded.

GETTING TECH READY

➤ LU to offer part-time MTech in AI and cyber security courses from academic session 2023-24 for working professionals

➤ Classes will be held from 6-9pm three days a week, and on Sundays

➤ LU has also implemen[ted] NEP in BCA courses offe[red] by engineering faculty after which students wi[ll] have option of multiple entry and exit

SWATANTRA BHARAT PAGE 3

लविवि के अभियांत्रिकी व तकनीकी संकाय में नई शिक्षा नीति लागू

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि लविवि एनईपी-2020 को अपनाने वाला भारत का पहला विश्वविद्यालय है। भारतीय शिक्षा प्रणाली ने सैद्धांतिक और शैक्षणिक शिक्षा पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित किया,जिसका वास्तविक दुनिया के कार्यस्थलों में सीमित उपयोग था। नई शिक्षा नीति के तहत भारत में शिक्षा का अध्ययन प्रैक्टिकल बेस्ड एजुकेशन पर केंद्रित किया जा सकेगा, जो छात्रों को रोजगार के लिए तैयार कौशल सिखाने की क्षमता में निहित होगा।

अभियांत्रिकी संकाय के डीन प्रो.एके सिंह ने बताया कि एनईपी व्यवहारिक शिक्षा की आवश्यकता पर जोर देती है, जिसके तहत संकाय के शिक्षकों द्वारा बीसीए पाठ्यक्रम ऐसे विकसित किए गए हैं, जिससे छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान का अनुभव मिले और वह वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हो। इससे छात्रों को व्यवहारिक कौशल विकसित करने और रोजगार के लिए तैयार होने में सहायता मिलेगी।बीसीए पाठ्यक्रम में नई शिक्षा नीति लागू होने पर अब छात्रों को मल्टीपल एंट्री एंड एग्जिट की सुविधा मिलेगी जिसके तहत अगर छात्र बीसीए के प्रथम वर्ष पूर्ण होने पर कोर्स छोड़ना चाहे तो उसे प्रथम वर्ष में कंप्यूटर एप्लीकेशन में सर्टिफिकेट मिलेगा। बीसीए द्वितीय वर्ष पूर्ण होने पर अगर छात्र कोर्स छोड़ता है तो उसे कंप्यूटर एप्लीकेशन में डिप्लोमा मिलेगा। बीसीए तृतीय वर्ष पूर्ण होने पर छात्र को बीसीए डिग्री से सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा बीसीए तृतीय वर्ष में 7.5 से अधिक सीजीपीए वाले छात्रों को बीसीए बाय रिसर्च डिग्री,चतुर्थ वर्ष के लिए ऑफर की जाएगी।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और साइबर सिक्योरिटी का नया कोर्स होगा लांच

एलयू यानी लखनऊ विश्वविद्यालय में नये सत्र यानी 2023-24 से इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी फैकल्टी में एमटेक के नए प्रोग्राम की शुरुआत होने जा रही हैं। कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट की दो विधाओं यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और साइबर सिक्योरिटी में इसकी शुरुआत होने जा रही हैं। बड़ी बात यह हैं कि दोनों ही पाठ्यक्रम के लिए पहले साल 20 - 20 सीट निर्धारित की गई हैं। वर्किंग प्रोफेशनल्स के लिहाज से यह कोर्स बेहद अहम होने वाला हैं। यह पार्ट टाइम प्रोग्राम 6 सेमेस्टर में पूरा किया जा सकता हैं।

इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट के डीन प्रो.एके सिंह ने बताया कि सत्र 2023-24 से कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) और कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (साइबर सुरक्षा) में मास्टर इन टेक्नोलॉजी(एमटेक) कार्यक्रमों की शुरुआत की जाएगी। दोनों प्रोग्राम में 20 सीट होंगी। अहम बात यह हैं कि यह एक छह सेमेस्टर का पार्ट टाइम कार्यक्रम होगा। कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय की अगुवाई में विश्वविद्यालय शैक्षिक, शोध, नवाचार और रोजगार की दिशा में तेजी से विकास करने का दावा करता हैं।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लविवि के इंजीनियरिंग संकाय में दो कोर्स होंगे शुरू

वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ। लविवि में नए शैक्षणिक सत्र से अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में एमटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग की दो विधाओं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और साइबर सिक्योरिटी में शुरूआत होगी।

डीन अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय प्रो. एके सिंह ने बताया कि सत्र 2023-24 से कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग साइबर सुरक्षा में मास्टर इन टेक्नोलॉजी एमटेक कार्यक्रमों की शुरूआत की जाएगी, प्रत्येक कार्यक्रम में 20 सीट होंगी। यह एक छह सेमेस्टर पार्ट टाइम कार्यक्रम होगा। विगत वर्षों में लखनऊ विश्वविद्यालय ने कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में शैक्षिक, शोध, नवाचार और रोजगार उपलब्ध कराने में बहुत तेजी से विकास किया है, जिसके तहत विवि के सभी प्रोग्राम्स और पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने के लिए भारत ही नहीं अपितु विदेशी छात्रों की मांग और संख्या बढ़ी है।

कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए मांग अधिक होने से दाखिला संख्या को शैक्षणिक सत्र 2023-24 से 60 सीट से 120 सीट किया जायेगा।

● कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में 120 सीटों पर होंगे दाखिले

लविवि में बीसीए कोर्स में नई शिक्षा नीति लागू : लविवि के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में संचालित बीसीए कोर्स अब शैक्षणिक सत्र 2023-24 से नई शिक्षा नीति के तहत संचालित होगा। लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि लविवि एनईपी 2020 को अपनाने वाला भारत का पहला विश्वविद्यालय है। भारतीय शिक्षा प्रणाली ने सैद्धांतिक और शैक्षणिक शिक्षा पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित किया, जिसका वास्तविक दुनिया के कार्यस्थलों में सीमित उपयोग था। नई शिक्षा नीति के तहत, भारत में शिक्षा का ध्यान प्रैक्टिकल बेस्ड एजुकेशन पर केंद्रित किया जा सकेगा, जो छात्रों को रोजगार के लिए तैयार कौशल सिखाने की क्षमता में निहित होगा। अभियांत्रिकी संकाय के डीन प्रो. एके सिंह ने बताया कि एनईपी व्यावहारिक शिक्षा की आवश्यकता पर जोर देती है, जिसके तहत संकाय के शिक्षको द्वारा बीसीए पाठ्यक्रम ऐसे विकसित किये गए हैं, जिससे छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान का अनुभव मिले और वह वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हो। इससे छात्रों को व्यावहारिक कौशल विकसित करने और रोजगार के लिए तैयार होने में सहायता मिलेगी।

बीसीए पाठ्यक्रम में नई शिक्षा नीति लागू होने पर अब छात्रों को मल्टीपल एंट्री एंड एग्जिट की सुविधा मिलेगी जिसके तहत यदि छात्र बीसीए के प्रथम वर्ष पूर्ण होने पर कोर्स छोड़ना चाहे तो उसे प्रथम वर्ष में कंप्यूटर एप्लीकेशन में सर्टिफिकेट मिलेगा। बीसीए द्वितीय वर्ष पूर्ण होने पर अगर छात्र कोर्स छोड़ता है तो उसे कंप्यूटर एप्लीकेशन में डिप्लोमा मिलेगा। बीसीए तृतीय वर्ष पूर्ण होने पर छात्र को बीसीए डिग्री से सम्मानित किया जाएगा और बीसीए तृतीय वर्ष में 7.5 से अधिक सीजीपीए वाले छात्रों को बीसीए बाय रिसर्च डिग्री, चतुर्थ वर्ष के लिए ऑफर की जाएगी।